अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 कसौटी पर सेहत...
6 दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर...
7 प्रदेश में कुशवाहा समाज कल्याण बोर्ड बनेगा, ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-18 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 16 मई से 22 मई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

पहलवानों ने नहीं मानी खेल मंत्री की अपील ? विनेश फोगाट ने जंतर-मंतर से भरी आंदोलन का दायरा बढ़ाने की हुंकार

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और केंद्र सरकार के पूर्व मंत्री तथा भाजपा नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह 15 मई को जंतर मंतर पहुंचे और पहलवानों को अपना समर्थन दिया।

लगता है केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर की अपील का जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों पर कोई असर नहीं हुआ है। वे भारतीय ओलंपिक संघ के बृजभूषण शरण सिंह और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के पदाधिकारियों पर लिए गए एक्शन से संतुष्ट नहीं दिख रहे हैं। शायद यही वजह है कि अनुराग ठाकुर की अपील के अगले दिन यानी 15 मई 2023 को विनेश फोगाट ने जंतर-मंतर से हुंकार भरी। उन्होंने ऐलान किया कि पहलवान अब अपने प्रदर्शन का दायरा बढाएंगे, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके आंदोलन को दबाने की कोशिश की जा रही है और जंतर-मंतर पर जहां पहलवान धरना दे रहे हैं, उतने क्षेत्र को जेल में तब्दील करने की कोशिश हो रही है।

विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाले पहली भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हम सिर्फ प्रोटेस्ट साइड (जंतर मंतर) पर ही बैठकर प्रदर्शन को आगे नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि हम जंतर मंतर से बाहर जाकर भी आंदोलन को बढ़ाने का काम करेंगे, क्योंकि हमें ऐसा महसूस होता है कि हमारा जो यह प्रदर्शन है इसको बिल्कुल भीचने (दबाने) का काम किया जा रहा है, बिल्कुल जेल में तब्दील करने की कोशिश की जा रही है।'

सिर्फ कुश्ती की महिलाओं नहीं, हर पीड़ित महिला के लिए है प्रदर्शन

विनेश फोगाट ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, 'ज्तो हम इसको जितना ओपनली जाकर हर व्यक्ति तक पहुंचाना चाहते हैं, क्योंकि यह देश की बेटियों की लड़ाई है। यह सिर्फ कुश्ती और सिर्फ कुश्ती की महिला खिलाड़ियों की बात नहीं है। यह हर उस स्पोर्ट्सपर्सन की आवाज है, यह हर उस महिला की आवाज है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में काम करती हैं और उनके साथ शोषण होता है, लेकिन वह अपनी आवाज उठा नहीं पाईं।'

विनेश फोगाट ने बताया कि 15 मई को सभी पहलवान कनॉट प्लेस में जाएंगे और सबके सामने अपनी बातें रखेंगे। विनेश फोगाट ने कहा, 'हम लोगों को बताएंगे कि हमारे साथ क्या और कैसे हो रहा है। हम उनसे अपील करेंगे कि आप इस न्याय की लड़ाई में हमारा साथ दीजिए।'

रिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और केंद्र सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह 15 मई को जंतर मंतर पहुंचे और पहलवानों को अपना समर्थन दिया। रियो ओंलिपक में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक ने ट्वीट कर भी इस बात की जानकारी दी।

चौधरी बीरेंद्र सिंह ने पीटीआई से कहा, 'पहलवानों ने जिन विषयों पर अपनी आवाज बुलंद की है। उन विषयों का समाधान जल्दी निकले और अगर कोई दोषी है तो उस पर कार्रवाई हो। जो जांचज् चाहे वह पुलिस करे, चाहे कोर्ट की बनाई हुई कमेटी करे और चाहे स्पोर्ट्स काउंसिल करे। महिला, जिन्होंने मुद्दों को उठाया है, ये मुद्दे बहुत गंभीर हैं देश के लिए, ये महिला की सामाजिक आजादी की तरफ इशारा करते हैं। तो ऐसे मुद्दों पर जांच पर पूर्ण संतुष्टि होनी चाहिए।'

कर्नाटक में जीत के बाद भी CPI(M) ने कांग्रेस को बताया कमजोर, तंज कसते हुए दी यह सलाह

CPI (M) ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा तंज कसा है। लेफ्ट पार्टी ने कांग्रेस को कमजोर बताया है। सीपीआई (एम) के एक नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए राज्य स्तर पर गठबंधनों की जरूरत है।

कर्नाटक का अगला सीएम कौन होगा इसपर कांग्रेस पार्टी में मंथन जारी है। कांग्रेस आलाकमान राज्य के पूर्व सीएम सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार को भी दिल्ली बुलाया जा सकता है। इस बीच केरल में सत्ताधारी CPI (M) ने सोमवार को परोक्ष रूप से कांग्रेस पर निशाना साधा। माकपा ने कांग्रेस से कर्नाटक में अपने नवनियुक्त विधायकों को बीजेपी से बचाकर रखने को कहा।

कांग्रेस को कमजोर और बीजेपी से मुकाबला करने में असक्षम बताते हए CPI (M) ने लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी को हराने के लिए राज्य स्तर पर गठबंधन की वकालत की। माकपा के स्टेट सेक्रेटरी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का कोई फायदा नहीं होगा। हमें स्टेट लेवल पर एंटी बीजेपी ग्रुप बनाने की जरूरत है, जिससेहर राज्य में बीजेपी को हराया जा सके। यही एकमात्र तरीका है।

इससे एक दिन पहले चीफ मिनिस्टर पिनाराई विजयन ने भी ऐसी ही रणनीति की वकालत की थी। CPI (M) के स्टेट सेक्रेटरी एमवी गोविंदन ने कहा कि कांग्रेस बीजेपी का सामना कर सकने वाली एकमात्र पार्टी है यह सिर्फ 'एक तथ्य है'

'अभी तो गांधीवादी संघर्ष था, मांगें नहीं मानी तोज' अशोक गहलोत को पायलट का सीधा अल्टीमेटम

राजस्थान में कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी होती जा रही हैं। सचिन पायलट का आक्रमक रुख अब पार्टी के लिए चिंता का सबब बन गया है।

राजस्थान में चुनाव करीब आ गया है, बीजेपी प्रचार में लग चुकी है, कांग्रेस भी एक्शन मोड में है। लेकिन इस सब के बीच सचिन पायलट जमीन पर अलग ही अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वे कई दिनों से राज्य में अपनी जन संघर्ष यात्रा निकाल रहे हैं। उस यात्रा का तो सोमवार को समापन हो गया, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पायलट की तरफ से एक बड़ा अल्टीमेटम दे दिया गया है।

जन संघर्ष यात्रा की आखिरी रैली को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने दो टूक कहा है कि अगर महीने के अंत तक उनकी मांगे नहीं मानी गईं, अगर भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हुई, अगर युवाओं को रोजगार नहीं मिला, न्याया नहीं किया गया, तो उस स्थिति में पूरे राज्य में आंदोलन किया जाएगा। पायलट ने जोर देकर कहा कि वे खुद पैदल जनता के बीच जाएंगे, उनके मुद्दे उठाएंगे। जनता से बात करते हुए सचिन पायलट बोले मेरे पास तो बस जूते थे, पैर में डालकर निकल गया था, क्या पता था कि इतने लोगों का समर्थन मिल जाएगा। मेरे विरोधी मेरे काम करने के तरीके पर सवाल कभी नहीं उठा सकते हैं, मैं तो किसी पद पर रहूं ना रहूं, राजस्थान की जनता की सेवा करना ही मेरा उदेश्य है। मैं आगे भी किसी से नहीं डरने वाला हूं।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी एक बार फि पायलट ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि आखिर कैसे पेपर लीक हो जाते हैं। कई बच्चे गांव से शहर आते हैं, महंगी कोचिंग लेते हैं, मां-बाप फीस जमा करते हैं और ऐन वक्त पर ये पेपर लीक हो जाते हैं। ये पूरा तंत्र ही बदलना पड़ेगा, अगर बच्चों का भविष्य सुरक्षित नहीं होगा तो देश का कैसे हो जाएगा। राजस्थान की जनता सही गलत सब समझती है।

पहले 2 साल मुझे सीएम फिर 3 साल सीएम शिवकुमार, सिद्धारमैया ने आलाकमान को सुझाया कर्नाटक में पावर शेयरिंग का फॉर्मूला

कर्नाटक में शानदार जीत और स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद कांग्रेस अब जल्द ही मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर सकती है. बेंगलुरु के एक होटल में रविवार को विधायक दल की बैठक हुई जिसमें पार्टी के सभी नवनिर्वाचित 135 विधायकों ने हिस्सा लिया. मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए विधायकों ने वोटिंग की. विधायकों में किसी ने शिवकुमार, तो किसी ने सिद्धारमैया, किसी ने डॉक्टर जी परमेश्वर, किसी ने खड़गे तो किसी ने लिंगायत नेता एमबी पाटिल के नाम का सुझाव दिया. कुछ विधायकों ने पार्टी हाईकमान पर फैसला छोड़ दिया.

खड़गे के सामने होगी मतों की गिनती

पर्यवेक्षक बैलट बॉक्स को कांग्रेस आलाकमान तक तक ले जाएंगे और खड़गे के सामने खोलकर वोटों की गिनती करेंगे.अधिकतम मत प्राप्त करने वाले नेता का नाम गुप्त रखा जाएगा क्योंकि, मतदान केवल राय जानने के लिए ऐसा किया गया था. सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को आज शाम तक दिल्ली बुलाया गया है. चर्चा के बाद

मंगलवार या बुधवार तक फैसला लिया जा सकता है. सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को नए मुख्यमंत्री और 30 कैबिनेट सदस्य शपथ ले सकते हैं.

सम्पादकीय

कसौटी पर सेहत

किसी भी देश में विकास के नारे तभी वास्तविक और सार्थक हो सकते हैं, जब समाज के आम लोगों को सेहत और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिल पाता है। सेहत के मोर्चे पर आज भी तस्वीर ऐसी हो कि जच्चा-बच्चा की मौतों के मामले में देश की स्थिति सबसे खराब हो तो ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि विकास के ढांचे में प्राथमिकताएं क्या हैं।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र की एक रपट में यह जानकारी दी गई है कि जच्चा-बच्चा मौतों के मामले में जिन देशों की स्थिति बेहद नकारात्मक पाई गई है, उसमें भारत की तस्वीर सबसे खराब है। रपट के मुताबिक, भारत में प्रसव के दौरान महिलाओं, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात शिशुओं की मौत के मामले सबसे ज्यादा हैं।

सन 2020-2021 में दुनिया के अलग-अलग देशों में तेईस लाख नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जिनमें से भारत में मरने वालों की संख्या सात लाख अठासी हजार रही। सवाल है कि जिस दौर में सरकार स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा संवेदनशील होने और प्राथमिकता में सबसे ऊपर मान कर काम करने का दावा कर रही है, उसमें आज भी प्रसव के दौरान महिलाओं और नवजात की मौत के मामले क्यों अधिक हैं!

दरअसल, जच्चा-बच्चा मौतों को लेकर यह दुखद तस्वीर नई नहीं है। लंबे समय से यह विडंबना एक तरह से स्थिर और कायम है कि प्रसव के दौरान महिलाओं या नवजात की जान चली जाती है। चिकित्सा सुविधाओं का दायरा फिलहाल इतना है कि उस तक बहुत सारे जरूरतमंद परिवारों की पहुंच नहीं है या फिर वहां बुनियादी सुविधाओं की कमी है।

एक बड़े तबके के बीच महिलाओं को गर्भधारण के बाद जिन पोषक तत्त्वों की जरूरत होती है, कई कारणों से उससे वे वंचित होती हैं। इसका सीधा असर उनकी सेहत, शारीरिक क्षमता और प्रसव पर पड़ता है, जिसमें कई बार प्रसव के समय महिला की जान चली जाती है या फिर बच्चा इतना कमजोर पैदा होता है कि उसे बचाया नहीं जा पाता। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सेहत और प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर सरकारों की ओर से अनेक तरह की योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन होता रहा है।

गौरतलब है कि सुरक्षित प्रसव के लिए प्रसूता महिलाओं को अस्पतालों में सुविधाएं और नगदी सहायता मुहैया कराई जाती है। 2005 से लागू जननी सुरक्षा योजना की शुरुआत ही गर्भवती माताओं और नवजात की सेहत में सुधार लाने के मकसद से हुई थी। इसके तहत कई राज्यों में गर्भवती महिलाओं के खाते में छह हजार रुपए दिए जाते हैं, ताकि जच्चा-बच्चा को जरूरी पोषण मिल सके।

2011 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय ने जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की शुरुआत की और इसके दो साल बाद इसके तहत दी जाने वाली सुविधाओं का विस्तार हुआ और उसमें जन्म के बाद नवजात के पोषण और इलाज की सहूलियत भी शामिल की गई। कायदे से अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के बाद जच्चा-बच्चा की मौतों के मामले में स्थिति में सुधार आना चाहिए था।

मगर आखिर ऐसा क्यों है कि तमाम प्रयासों के बावजूद प्रसव के दौरान महिलाओं, मृत शिशुओं का जन्म और नवजातों की मौत का सिलसिला आज भी कायम है? समूचे देश में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने के दावे के दौर में यह तस्वीर एक तरह से आईना दिखाती है कि जमीनी स्तर पर हकीकत क्या है और अभी कितना कुछ किया जाना बाकी है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

सिर्फ दक्षिण से सफाया नहीं कर्नाटक की हार ने बीजेपी को चिंता की कई वजह दी हैं

कर्नाटक की एक हार ने बीजेपी को उसकी नींद से उठा दिया है। ये वो नींद है जिसने पार्टी को अति आत्मविश्वास में ला दिया था और जिस वजह से वो अपनी खुद की कई गलतियों को नजरअंदाज करती आ रही थी।

कर्नाटक की एक हार ने बीजेपी को उसकी नींद से उठा दिया है। ये वो नींद है जिसने पार्टी को अति आत्मविश्वास में ला दिया था और जिस वजह से वो अपनी खुद की कई गलतियों को नजरअंदाज करती आ रही थी। लेकिन कर्नाटक के नतीजों ने बता दिया है कि बीजेपी अजेय नहीं है, पीएम मोदी का साथ होना जीत की गारंटी नहीं देता है और हर बार डबल इंजन का दांव चल जाए, ये जरूरी नहीं। लेकिन इस चुनाव ने बीजेपी को चिंता की कई और वजह दी हैं।

4 सालों में कई राज्यों में बदली स्थिति

असल में बीजेपी के लिए इस समय कर्नाटक से ज्यादा 2024 का रण जरूरी है। राज्य के चुनाव तो सेमिफाइनल की तरह चल रहे हैं, असल तैयारी बड़े मुकाबले की है। उस बड़े मुकाबले में बीजेपी को अगर फिर अपने दम पर सरकार बनानी है तो उसे कई राज्यों में पिछली बार से भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसकी वजह ये है कि 2019 के बाद से कई राज्यों में जमीन पर सियासी समीकरण बदल चुके हैं, बीजेपी की हालत कमजोर भी हुई है।

बंगाल में जारी बीजेपी छोड़ो अभियान

पश्चिम बंगाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने सभी को हैरान करते हुए ममता के गढ़ से 18 सीटें निकाली थीं। जिस राज्य में उसे कभी एक भी सीट नसीब नहीं होती थी, वहां उसने इतना शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन उसके बाद 2021 के विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी ने टीएमसी को कड़ी टक्कर दी और पहली बार लेफ्ट को पछाड़ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी। उस चुनाव में बीजेपी को 77 सीटें मिल गई थीं। लेकिन सरकार बनाने का दावा हुआ था, जो पूरा नहीं हो सका। उस एक चुनावी हार ने बंगाल में बीजेपी में बड़ा बिखराव ला दिया। मुकुल रॉय से लेकर बाद में बाबुल सुप्रियो तक ने बीजेपी का साथ छोड़ टीएमसी के साथ जाने का फैसला किया। कई और विधायक भी पाला बदल टीएमसी में चले गए। इसी वजह से जो मजबूती बीजेपी को 2019 में बंगाल मिल गई थी, वो उसने 4 साल के अंदर काफी हद तक गंवा दी है।

नीतीश के पाला बदलते ही बिहार में बदले समीकरण

बीजेपी का कुछ ऐसा ही हाल बिहार में भी माना जा रहा है। जब तक नीतीश कुमार का साथ था, बीजेपी की राज्य में स्थिति सही चल रही थी, लेकिन अब क्योंकि सीएम एक बार फिर आरजेडी के साथ चले गए हैं, ऐसे में जो समीकरण बने हैं, वो बीजेपी के लिए बिल्कुल भी मुफीद साबित नहीं हो रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बिहार में जेडीयू के साथ मिलकर 40 में से 39 सीटें जीती थीं, लेकिन अब जब नीतीश साथ नहीं हैं, ये आंकड़ा काफी घट सकता है। इंडिया टुडे के एक सर्वे के मुताबिक आगामी लोकसभा चुनाव में यूपीए को बिहार में 25 सीटें मिल सकती हैं और बीजेपी का आंकड़ा 15 पर सिमट सकता है।

शिंदे का साथ महाराष्ट्र में काफी नहीं

इसी तरह महाराष्ट्र से भी लोकसभा की 48 सीटें निकलती हैं, पिछली बार बीजेपी ने 23 सीटों पर जीत दर्ज की थी, साथ में शिवसेना भी थी, ऐसे में उसके अच्छे प्रदर्शन का फायदा भी पार्टी को मिला। लेकिन अब महाराष्ट्र में शिवसेना में ही दो फाड़ है, शिंदे बीजेपी के साथ हैं तो उद्धव अपनी पार्टी को फिर अपने कब्जे में करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बड़ी बात ये है कि मूड ऑफ द नेशन का सर्वे स्पष्ट कर रहा है कि इस बार महा विकास अघाड़ी अपने दम राज्य की 34 सीटें जीत सकती है, यानी कि बंगाल-बिहार के बाद यहां से भी बीजेपी के लिए खतरे की घंटी है।

अब इन राज्यों का जिक्र करना जरूरी इसलिए था क्योंकि यहां हो रहे नुकसान की भरपाई बीजेपी को दूसरे राज्यों से करनी होगी। निकाय चुनाव के बाद जानकार यूपी में जरूर बीजेपी की स्थिति मजबूत मान रहे हैं, लेकिन बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक जैसे राज्यों में उसके नुकसान की उम्मीद भी जताई गई है। ऐसे में अब पार्टी भरपाई कहा से करेगी, ये बड़ा सवाल है।

130 में से 102 सीटों पर बीजेपी का डब्बा गुल

दक्षिण भारत से लोकसभा की कुल 130 सीटें निकलती हैं, ये आंकड़ा किसी भी पार्टी के लिए हार-जीत तय कर सकता है। अभी तक दक्षिण में बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें कर्नाटक से मिलती आ रही हैं, कुछ सीटें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी मिल जाती हैं, लेकिन केरल, तमिलनाडु में पार्टी सूपड़ा साफ ही चल रहा है। ऐसे में अब जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी पार्टी की अप्रत्याशित हार हुई है, उसके लिए दक्षिण से भी भरपाई करना मुश्किल हो सकता है। बड़ी बात ये भी है कि बीजेपी दक्षिण में सिर्फ कर्नाटक में ही सरकार बना पाई है, यानी कि बाकी राज्यों में उसकी स्थिति और ज्यादा पतली है। अब जब कर्नाटक भी हाथ से जा चुका है, तो पार्टी विस्तार से पहले कैसे एक बार फिर दक्षिण में एंट्री की जाए, ये बड़ा सवाल बन गया है।

एक रणनीति, समान मुद्दे हर राज्य में आते काम

अब सीटों के समीकरण के लिहाज से तो बीजेपी के लिए चिंता बनी ही है, कई राज्यों में उसका डबल इंजन वाला दांव फेल होना भी उसे आत्ममंथन करने पर मजबूर कर रहा है। हिमाचल में सत्ता गंवाई गई है और अब कर्नाटक में एक करारी हार मिली है। दोनों ही राज्यों में एक इंजन पूरी तरह फेल हुआ है। इसी तरह बीजेपी की हर चुनाव में दिख रही समान रणनीति भी उसके लिए अब चिंता का सबब बन गया है। हर चुनाव को राष्ट्रवाद से जोड़ देना, हर चुनाव में सिर्फ ध्रुवीकरण पर फोकस करना, हर चुनाव में पीएम मोदी को ही सबसे बड़ा स्टार प्रचारक बनाना, ये फैक्टर अब पार्टी को उम्मीद के मुताबिक रिटर्न नहीं दे रहे हैं। जिस तरह से कांग्रेस ने लोकल मुद्दों को राज्यों में उठाना शुरू कर दिया है, आने वाले दिनों में ये भी बीजेपी के लिए बड़ी चिंता बन सकता है।

करोड़ के फोरेक्स ट्रेडिंग घोटाले में पति-पत्नी गिरफ्तार

इन्दौर (अनिल चौधरी)। विजयनगर पुलिस ने आरोपित हेमंतसिंह परिहार और उसकी पत्नी ज्योतिसिंह परिहार को गिरफ्तार किया है। आरोपित दो करोड़ रुपये के फर्जीवाड़ा में फरार थे । विजयनगर पुलिस ने पांच महीने पूर्व धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया था। आरोपित फर्जी ट्रेडिंग कंपनियां बना कर लोगों से रुपये लेकर फरार थे। दिसंबर 2022 में राहुलसिंह चौहान, गुंजन गंगवाल, आकाश गंगवाल, चंद्रकांता बाई गंगवाल, दिपेश पहाड़िया, प्रियंका जैन, प्रतिक गंगवाल,पंकज चौहान,पंकज ठाकुर, बाबूसिंह ठाकुर, वीरेंद्र भाटिया, नरेंद्रसिंह,सिसोदिया,मनोज चौधरी, लक्की राजपाल, गौरव चौधरी, निरंजनसिंह,सिकरवार,नरेंद्रसिंह गौड़, अर्पित ठाकुर, नवीन खंडारे, मुकेश केवट, मयंक,लिखार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपित हेमंत और उसकी पत्नी ने बिजनेस स्काय पार्क में डीडी क्रिएशन, एचएसबी सिक्युरिटी, ओरेट ग्लोबल,डिलाइंट वोकेशन, डिलाइंट सिक्युरिटी के नाम से कंपनी बनाई और लोगों से दो करोड़ रुपये ले लिए। आरोपितों ने दोगुना करने का झांसा दिया और निजी खातों में रुपये जमा करवा लिए। लोग रुपये लेने गए तो बाउंसर ने धमकाया। शनिवार को पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

लाखों की वसूली में बर्खास्त डीएसपी का साथी भी पकड़ाया

इंदौर। होटल मालिक को धमकी और नकली क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर लाखों रूपए ऐंठने के मामले में आरपीएफ के बर्खास्त डीएसपी अशोक तिवारी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने इस काम में उसका साथ देने वाली साथी कमल मेहरा को भी गिरफ्त में लिया है। कमल ने ही होटल मालिक को तिवारी से मिलवाया था। होटल संचालक से मोबाइल पर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर 2.50 करोड़ रुपए मांगे गए थे।

मुख्य आरोपी अशोक तिवारी ने स्वयं को क्राइम ब्रांच अफसर बताकर होटल संचालक के मामले का निराकरण, संदिग्ध के एनकाउंटर करने का झांसा देकर 30 लाख रुपए वसूल लिए थे। उसके बाद उसने कहा कि तुम्हें जो ब्लैकमेल कर 2.50 करोड़ मांग रहे हैं उनका एनकाउंटर कर दिया है। अब तुम्हें 50 लाख रुपए और देना पड़ेंगे नहीं तो तुम्हारा भी एनकाउंटर कर देंगे। क्राइम ब्रांच टीम को शिकायत मिली थी कि एक फर्जी क्राइम ब्रांच अफसर द्वारा होटल संचालक से अश्लील वीडियो वायरल करने और पैसे न देने पर एनकाउंटर करने की धमकी देकर 30 लाख रुपये ऐठ लिए तथा और अधिक पैसो की मांग की जा रही है ।

क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले की जांच की तो पता चला कि होटल संचालक के एडिट किए हुए कुछ अश्लील वीडियो उसे उसके मोबाइल पर आए थे और धमकी दी गई थी कि यदि 2.50 करोड़ रुपए नहीं दिए तो इन्हें वायरल कर दिया जाएगा। होटल मालिक को कमल मेहरा ने कहा था कि वह क्राइम ब्रांच के एक अफसर को जानता है जो मामले में मदद कर सकता है।

30 लाख लिए, 50 और मांग रहा था

इसके बाद उसने आरपीएफ के बर्खास्त डीएसपी अशोक तिवारी को क्राइम ब्रांच का अफसर बताते हुए मिलवाया था। तिवारी ने होटल संचालक से 30 लाख रुपए ले लिए और 50 लाख रुपए और मांग रहा था। इस मामले में अभी जांच की जा रही है। बताया जाता है कि इस मामले में एक और आरोपी है जिसका मोबाइल नंबर क्राइम ब्रांच को मिल चुका है। उसे हाईटेक तरीके से तलाशा जा रहा है। आरोपियों से पूछताछ में कई और खुलासे हो सकते हैं।

पिता ने सात साल के बेटे को मार डाला

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने सात साल के बेटे की हत्या कर दी। बच्चे की दादी ने जब पोते का शव देखा तो घटना का पता चला।

घटना लिंबोदी स्थित राम मंदिर के पीछे की है। शशिपाल मुंडे के 7 साल के बेटे प्रतीक का शव घर में ही उसकी दादी ने पड़ा देखा। इस पर आसपास के लोगों को बुलाया। वहीं पुलिस को सूचना दी गई। मामले की शुरूआती जांच में पता चला कि प्रतीक को उसके ही पिता ने मारा है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच कर रही है।

महिला की हत्या का प्रयास

दो आरोपियों ने घर में घुसकर तलवार से किया हमला

इंदौर। आजाद नगर इलाके में एक महिला की हत्या का प्रयास करते हुए दो आरोपियों ने घर में घुसकर तलवार से हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर जानलेवा हमले की धारा में केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार संतोषी बामनिया पति अशोक बामनियना (45) नि.इदरिश नगर मुसाखेड़ी की रिपोर्ट पर क्षेत्र में रहने वाले कान्हा और विशाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। संतोष्जी ने पुलिस को बताया कि मैं बंगलो पर झाड़ू पोछे की काम करती हूं। रविवार की शाम करीब 5 बजे के लगभग की बात होगी मै मेरे घर के बाहर देहलीज पर खडी थी सब्जी ले रही थी, तभी मेरी सोतन सोनू के लडके कान्हा और विशाल आये, जिसमे कान्हा हाथ मे तलवार लिये था, विशाल बोला इसने हमारा घर बर्बाद किया है इसको आज जान से ही खत्म कर देंगे। विशाल ने मुझे पकड लिया और कान्हा अपने हाथ मे लिये तलवार से मुझे जान से मारने की नियत से मेरे ऊपर 4 वार किये जिससे मेरी पीठ में कंधे के पास व दोनो हाथो मे चोटे आई है। इस दौरान आसपास के लोग जमा हुए तो दोनों भाग निकले।

निखिल हत्याकांड के दो फरार इनामी आरोपी पकड़ाए

इंदौर। गत दिनों सुखलिया में हुए निखिल हत्याकांड में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी पर दस-दस हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था।

क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि निखिल खलसे की हत्या में शामिल दो आरोपी विशु उर्फ़ विशाल पाड़ा नि. क्षिप्रा एवं रोहित सिंह धनगर नि. हीरानगर जो घटना दिनांक से से ही फरार चल रहे थे दोनों आरोपियों को क्राइम ब्रांच व थाना हीरा नगर की टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा। दोनों ही आरोपियों विशाल पंवार व रोहित धनगर पर थाना हीरानगर, भवरकुआ में लूट, डकैती की योजना, अवैध हथियार, जबरन वसूली करना जैसे अपराध पहले से पंजीबद्ध है। आरोपियों पर उक्त अपराध घटित करने पर अपराध धारा 302,147,148 भादवि. का कायम किया गया था जिस पर विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही थाना हीरा नगर द्वारा की जा रही है।

जांच में हुआ खुलासा, रोड पर लाइट ही नहीं

हादसे वाली जगह पर पहुंचे डीसीपी, दो युवकों की हुई थी मौत

इंदैर। राऊ थाना क्षेत्र में रिवर्स ले रहे वाहन के पिछले हिस्से में टकराने से बाइक सवार 2 युवक की मौत हो गई थी। कैट रोड पर हुई इस घटना के कारणों का पता लगाने गुरुवार को ट्रैफिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान चौकाने वाली बात पता चली की रोड पर लाइट की कोई व्यवसथा नहीं है।

मंगलवार देररात कैट रोड पर प्रीत 19 पिता सुरेश सिंह निवासी अहिल्या पल्टन, यशवर्धन 19 पिता सुरेश वर्मा निवासी रामबाग की एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। वहीं भावेश वर्मा 24 निवासी पीथमपुर घायल हो गया था। ट्रैफिक डीसीपी मनीष अग्रवाल ने बताया, 2 युवकों की एक्सीडेंट में मौत हो जाने पर कैट रोड की खामियों का पता लगाने गए थे। 5.6 किमी रास्ता हाल ही में बना है। कैट चौराहे से राऊ के बीच गार्डन के समीप घटना हुई है। जांच में पता चला कि रोड पर लाइट की व्यवस्था नहीं है। रोड पर अंधेरा एक्सीडेंट की वजह बना है। रोड पर लाइट व्यवस्था के लिए पीडब्ल्यूडी से पत्र व्यवहार किया है।

घटना का फुटेज भी सामने आया था। जिसमें गार्डन के सामने रिवर्स ले रहे लोडिंग के पिछले हिस्से में बाइक टरकाते दिख रही है। घटना रात करीब 12 बजे हुई और पुलिस को 2 बजे सूचना मिली।

दो घंटे तक तड़पते रहे

फुटेज देखने के बाद पुलिस को पता चला की घायल युवक मौके पर करीब 2 घंटे तड़पते रहे। आसपास से लोग गुजरते रहे लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। यदि समय पर पुलिस को सूचना मिल जाती तो घायलों की जान बचाई जा सकती थी।

दो लाख की ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। भंवरकुआं पुलिस ने 2 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम अमन, बिलाल और मोहसिन हैं। आरोपी इंदौर में बड़े स्तर पर ब्राउन शुगर सप्लाई करने का काम करते थे। आरोपियों ने कबूला है कि वह टोकन के आधार पर स्टूडेंट्स को नशा सप्लाई करते थे। अभी सभी से पूछताछ की जा रही है।

26 लाख की ठगी में अकाउंट सीज कर जांच करेगी पुलिस

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र में युवक के साथ इन्वेस्ट करने के नाम पर 26 लाख रुपए की ठगी के मामले में पुलिस अकाउंट सीज कर जांच करेगी।

डीसीपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि मामला बुधवार को राऊ थाने में आया है। शिकायतकर्ता आरिफ ने कुछ समय पहले सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच की लेकिन कौन सी धाराओं में केस दर्ज करें ये स्पष्ट नहीं हो पा रहा था। फिर हमने अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। इस धारा के तहत आरोपी के अकाउंट सीज करने का प्रावधान है। वहीं प्रॉपर्टी भी कब्जे में लेकर पैसा दिलाने का प्रावधान है।

सहजयोग में प्रेम से अधिक कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है

सहजयोग में आपको थोड़ा सा अनजान या अतार्किक होना चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आप बहुत ज्यादा सटीक काम करते हैं - जिसे आप कहते हैं कि किसी चीज या आदत से विशेष लगाव है, - तो आपको वैसी अतिशयता वाली प्रवृत्ति को छोड़ने की कोशिश जरुर करनी चाहिए। लेकिन अगर आप बहुत ज्यादा लापरवाह हैं, या आप किसी भी चीज की परवाह नहीं करते, तो यह भी एक तरह की अति है, जिसे आपको छोड़ना होगा। दोनों तरह की अतिशयताएं आपको छोड़नी होंगी। आपको अपने स्वभाव में मध्य में बने रहना होगा। आप केवल तभी विकसित हो सकते हैं, क्योंकि आप जानते हैं कि जीवन रस आपके मध्य से बहता है, इस सुषुम्ना नाड़ी के मध्य तंत्र से, पराअनुकंपी से, और यही कारण है कि आपको सभी तरह की अतिशयताओं से बचना चाहिए। सहजयोग में भी व्यक्ति को सावधान रहना होगा। यह एक मिशन है, लेकिन यह किसी मिशनरी का मिशन नहीं है। मैं कहती हूँ कि यह प्रेम का मिशन है। उन लोगों के लिए जो प्रेम करते हैं, जो इंसानों से प्रेम करते हैं। सहजयोग में प्रेम से अधिक कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है।..... प्रतिस्पर्धा को, और सहजयोगियों के बीच प्रतिस्पर्धा के तरीके को बदलना होगा। प्रतिस्पर्धा या मुकाबला यह होना चाहिए कि आप कितना अधिक प्रेम करते हैं, कौन अधिक प्रेम करता है। एक ऐसा मुकाबला हो जाए, जिससे यह मालूम हो कि कौन दूसरों के अधिक काम आता है। कौन अधिक बांटता है? कौन दूसरों को अधिक प्रेम करता है? प्रेम का एक मुकाबला हो जाने दें, न कि नफरत का।

ज्यादा पानी वाला हरा नारियल चुनना है बहुत आसान, बस नारियल खरीदते समय याद रखें ये 5 ट्रिक्स

हर नारियल में पानी बराबर मात्रा में नहीं होता है। ऐसे में यहां हम आपको ज्यादा पानी वाले नारियल को पहचानने का आसान तरीका बता रहे हैं। नारियल का पानी गर्मी के दिनों में बॉडी को अंदर से ठंडा रखने का काम करता है। कई हेल्थ एक्सपर्ट इसे रोज सुबह खाली पेट पीने की सलाह भी देते हैं। माना जाता है कि इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ, मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है और वजन कम होता है। साथ ही त्वचा में निखार भी आता है। ऐसे में इन दिनों हरे नारियल की मांग काफी बढ़ जाती है, जिससे यह दूसरे मौसम की अपेक्षा गर्मी में ज्यादा महंगा हो जाता है। अब ऐसे में यदि आप ज्यादा पैसा दे रहे हैं, तो नारियल पानी की मात्रा भी ज्यादा ही चाहेंगे। क्योंकि कई लोगों को टेंडर कोकोनट या ज्यादा पानी वाले नारियल की पहचान करने का तरीका पता नहीं होता है, इसलिए कई बार उन्हें बाजार से नारियल खरीदकर घर ले जाने पर पता चलता है, कि उसमें पानी बहुत कम है। यदि आपके साथ भी कई बार ऐसा हो चुका है, तो यहां बताए गए ट्रिक आपके बहुत काम आ सकते हैं।

भूरे रंग के धब्बे वाले नारियल न लें

हरा नारियल खरीदते समय इसे अच्छी तरह से हर तरफ से चेक कर लें, अगर इसपर किसी तरह के भूरे रंग के धब्बे हो तो इसे न लें। यदि सभी में ऐसे धब्बे हैं, तो ऐसा नारियल लें जिसमें यह कम दिखाई पड़ रहे हो। दरअसल, नारियल पर दिखने वाला यह भूरा रंग इसके ज्यादा पके होने की निशानी होती है, जिसका मतलब इसमें पानी की कम मात्रा का होना है।

ज्यादा पानी के लिए गोल नारियल चुनें

जैसे-जैसे नारियल बड़ा होता है, उसका आकार लंबा और तिरछा होता जाता है। क्योंकि ज्यादा बड़े नारियल में पानी की मात्रा कम होती है, इसलिए हमेशा गोल आकार वाले नारियल का चुनाव करना चाहिए। हालांकि पूरी तरह से गोल नारियल दुकान पर मिल पाना संभव नहीं है। ऐसे में कम तिरछे और लंबे नारियल को चुनकर लें।

नारियल को हिलाकर देखें

हरे और ताजे नारियल में पानी ज्यादा होता है, इसलिए इसे हिलाने पर किसी तरह का आवाज नहीं आता है। ऐसे में जब भी आप नारियल पानी खरीदने जाएं तो नारियल को अच्छी तरह से हिलाकर देख लें, यदि इसमें से पानी की आवाज आ रही हो तो समझ जाएं इसमें पानी की मात्रा बहुत कम है।

एक नहीं कई बीमारियों की छुट्टी कर देता है नारियल पानी

सर्दी हो या गर्मी..हर मौसम में नारियल पानी सेहत को दुरुस्त रखता है. इसमें कई तरह के माइक्रोन्यूटीएंट्स पाए जाते हैं जिनसे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचता है.नारियल पानी अच्छी सेहत का खजाना होता है. इसके फायदे चमत्कारिक होते हैं. प्रेग्नेंसी और पीलिया में यह गजब का फायदा पहुंचाता है. इतना ही नहीं, नारियल पानी पीने से कई तरह की बीमारियां दूर हो जाती हैं. नारियल पानी में पाया जाने वाले इलेक्ट्रोलाइट्स, लॉरिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम और जिंक सेहत के दोस्त माने जाते हैं. नारियल पानी का सेवन आप सर्दी-गर्मी किसी भी मौसम में कर सकते हैं. इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और शरीर रोगों से लड़ने के लिए मजबूत बनता है. आइए जानते हैं नारियल पानी के फायदे..

किडनी के लिए रामबाण है नारियल पानी

किडनी एक ऐसा अंग है, जिस पर पूरे शरीर की सेहत टिकी होती है. अगर आप किडनी की सेहत को दुरुस्त रखना चाहते हैं तो नारियल पानी काफी सहायक होता है. एक कप नारियल पानी में 600 मिलीग्राम पोटैशियम मिलता है. यह पूरे दिन की डाइट का 16 प्रतिशत पोटैशियम होता है. जो किडनी और मांसपेशियों के लिए काफी जरूरी होता है. एक कप नारियल पानी में 60 मिलीग्राम मैग्नीशियम भी मिलता है.

टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार नारियल पानी

अगर आप हर दिन नारियल पानी का सेवन करते हैं तो आपके शरीर से टॉक्सिन्स आसानी से बाहर निकल जाते हैं. नारियल पानी में डाइयुरेटिक प्रॉपर्टी होती है, जो टॉक्सिक पदार्थ को बाहर निकालने में मददगार होती है. इसलिए शरीर से गंदगी साफ करने में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

सबसे ज्यादा फायदेमंद ड्रिंक

नारियल पानी में 95% तक पानी पाया जाता है. यही कारण है कि दूसरे ड्रिंक्स जैसे स्पोर्ट्स ड्रिंक्स या अन्य के मुकाबले यह ज्यादा फायदेमंद होता है. नारियल पानी पीने से शरीर को तेजी से इंस्टेंट इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने में मदद मिलती है.

चमकदार त्वचा के लिए पिएं नारियल पानी

नारियल पानी का फायदा स्किन पर भी होता है. पानी की ज्यादा मात्रा होने के चलते स्किन को हाइड्रेट रखने में काफी मदद मिलती है. इतना ही नहीं इससे मॉइस्चराइज करने में भी हेल्प मिलती है.

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है नारियल पानी

सर्दी के मौसम में ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ जाती है. ऐसे में नारियल पानी काफी फायदेमंद हो सकता है. इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और ब्लड शुगर लेवल भी मेंटेन करता है.

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।

WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS

विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।

राजनीति 24 .NEWS

BOOK NOW

8889066688, 9109639404

आयपीएल-2023

दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, 9 टीमों में चल रही जंग, कौन बिगाड़ेगा किसका खेल

पंजाब किंग्स के हाथों हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है. दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2023 से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है. दिल्ली के बाहर होने के बाद अन्य सभी 9 टीमें अभी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं और कोई भी टीम अपनी जगह पक्की नहीं कर सकी है.

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईपीएल टी20 के मैच नंबर 61 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया. रिंकू सिंह की 43 गेंदों पर 54 रन की पारी और कप्तान नितीश राणा के साथ चौथे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी पर कोलकाता नाइट राइडर्स 18.3 ओवर में 145 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया. इस जीत के साथ ही केकेआर अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गई. कोलकाता नाइट राइडर्स अभी भी टॉप 4 की रेस में बनी हुई है. वहीं, दूसरी तरफ अपने आखिरी घरेलू खेल में हार के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करनी होगी. 13 मैचों में 15 प्वॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हाल उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर भी कर सकती है. दिल्ली को छोड़कर सभी 9 टीमें अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं. तो चलिए देखते हैं कि समीकरण क्या कहते हैं, किस टीम के पास प्लेऑफ में क्वॉलिफाई करने का कितना मौका है.

गुजरात टाइटन्स- बचे हुए दो मैचों में एक जीत न केवल गुजरात टाइटन्स के लिए नॉकआउट के लिए क्वॉलिफाई करने के लिए काफी होगी, बल्कि उन्हें शीर्ष 2 में जगह बनाने में भी मदद करेगी. अगर वे अपने बाकी बचे दोनों मैच हार भी जाते हैं, तो भी वे आगे बढ़ सकते हैं. बशर्ते चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर या पंजाब किंग्स अपने सभी बचे हुए मैच नहीं जीतते हैं तो

चेन्नई सुपर किंग्स- चेन्नई सुपर किंग्स को प्लेऑफ में क्वॉलिफाई करने के लिए दिल्ली कैपिटल्स को हराना होगा. यदि वह इस मैच को जीत लेंगे को क्वॉलिफाई कर जाएंगे, लेकिन अगर सीएसके हार जाती है तो बाहर हो सकती है. क्योंकि मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स प्वॉइंट्स टेबल में उनसे ऊपर निकल सके हैं

मुंबई इंडियंस- मुंबई इंडियंस के अगले दो मैच लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैं. अगर मुंबई यह दोनों ही मैच जीत जाती है तो वह ना सिर्फ प्लेऑफ के लिए क्वॉलिफाई कर लेंगे बल्कि टॉप 2 स्थान भी हासिल कर लेंगे. अगर मुंबई एक मैच हार जाती हैं तो उन्हें दुआ करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स भी लीग स्टेज के अपने अंतिम दो मैचों में से एक में हार जाएं.

लखनऊ सुपर जायंट्स- अगले दो मैचों में दो जीत लखनऊ सुपर जायंट्स को आईपीएल 2023 प्लेऑफ में ले जाएगी. यदि वे दोनों मैच हार जाते हैं, तो वे बाहर हो जाएंगे. और यदि वे एक जीतते हैं और एक हारते हैं, तो उनकी संभावना अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर करेगी.

37वे नेशनल गेम्स में रोलबॉल खेल हुआ शामिल

इंदौर(अनिल चौधरी)। भारतीय ओलंपिक संघ के 37वे नेशनल गेम्स जो की गोवा में अक्टूबर माह में आयोजित की जाएगी जिसकी सूची में भारत का इंडिजेनस गेम रोलबॉल खेल को शामिल किया गया।गोवा में 37वे नेशनल गेम्स के लोगो लॉंचिंग के अवसर पर गोवा के खेल मंत्री श्री गोविंद गौड़े, इण्डियन ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष श्री अमिताभ शर्मा रोलबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के सचिव श्री चेतन भांडवालकर, रोलबॉल के जनक व इंटरनेशनल रोलबॉल फेडरेशन के सचिव श्री राजू दाभाड़े जी की मौजूदगी में हुआ। मध्य प्रदेश रोलबॉल संघ के अध्यक्ष श्री महेश जोशी व सचिव श्री सूर्यदत्त जोशी ने सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए भविष्य में खेल को कई ऊँचे स्तर पर खेले जाने का आश्वासन दिया।

थिएटर्स में रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही रियल केरल स्टोरी, हर आदमी को हीरो बताने वाली फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

केरल की लड़कियों की कहानी कहने का दावा करती द केरल स्टोरी जमकर बिजनेस कर रही है. लेकिन दूसरी तरफ साउथ इंडिया में एक दूसरी फिल्म रिकॉर्डतोड़ बिजनेस कर रही है, जिसे लोग रियल केरल स्टोरी बता रहे हैं. आइए बताते हैं मलयालम फिल्म 2018 और इसकी शानदार कमाई के बारे में।

साउथ के सबसे पॉपुलर यंग स्टार्स में से एक टोविनो थॉमस को नेटफ्लिक्स की सुपरहीरो फिल्म मिन्नल मुरली ने इंडिया भर में जबरदस्त पहचान दिलाई थी. फिल्म में अपनी परफॉरमेंस से उन्होंने लोगों को अपना फैन बना लिया था. उन्हीं टोविनो की एक नई फिल्म आजकल बहुत धमाल मचा रही है. फिल्म का नाम है 2018।

टोवीनो थॉमस, कनचाको बाम, आसिफ अली स्टारर 2018, केरल में 5 साल पहले आई उस भयानक बाढ़ की कहानी है, जिसे पिछले 100 साल में राज्य की सबसे बड़ी आपदा कहा जाता है. एक आपदा में जूझते आम इंसानों के जज्बे को सलाम करती इस फिल्म की टैगलाइन है- हर आदमी हीरो है।

जहां हिंदी में द केरल स्टोरी जबरदस्त कमाई के बावजूद, अपनी कहानी को लेकर लगातार विवादों में बनी हुई है. वहीं 2018 को साउथ की ऑडियंस रियल केरल स्टोरी कहकर सलाम कर रही है. कमाल की बात ये है कि दोनों फिल्में एक ही दिन, 5 मई को रिलीज हुई थीं. जहां हिंदी भाषी जनता में खूब चर्चा बटोर रही द केरल स्टोरी खूब जमकर कमाई कर रही है. वहीं मलयालम सिनेमा की %रियल% केरल स्टोरी 2018 अपनी इंडस्ट्री के लिए एक बहार लेकर आई है।

प्रदेश में कुशवाहा समाज कल्याण बोर्ड बनेगा, अध्यक्ष को मिलेगा मंत्री दर्जा - मुख्यमंत्री श्री चौहान

सागर जिले के लिए 865 करोड़ की 3 समूह जल-प्रदाय योजनाओं का भूमि-पूजन

कुशवाहा समाज देशभक्त, मेहनती और परिश्रमी है

लव-कुश मंदिर और धर्मशाला निर्माण के लिए 10 करोड़ राशि स्वीकृत करने की घोषणा

मुख्यमंत्री सागर में कुशवाहा समाज के सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सागर में कुशवाहा समाज के संभागीय सम्मेलन में 10 करोड़ रूपये की लागत से लव कुश मंदिर और धर्मशाला निर्माण की घोषणा की। मंदिर के लिए 5 करोड़ और धर्मशाला के लिए 5 करोड़ रूपये राज्य सरकार द्वारा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्थल चयन के लिए कुशवाहा समाज को जिम्मेदारी सौपी। जो स्थान चयनित होगा, उसी स्थल पर एक छात्रावास भी बनेगा। साथ ही मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में कुशवाहा समाज कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि बोर्ड के अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज सागर में अखिल भारतीय कुशवाहा समाज के संभाग स्तरीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे युवा जिनको पढ़ाई के बाद रोजगार उपलब्ध नहीं हुआ है, उनको काम सीखने के लिए स्थान तय किए जा रहे है, जिससे वे कार्य सीख कर किसी उद्योग-धंधे में लग सके। काम सीखने के दौरान उन्हें 8 हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाएगा। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सागर जिले के लिए 865 करोड़ 91 लाख रूपये की 3 नल-जल योजनाओं का भूमि-पूजन किया। नल-जल समूह योजना से 520 ग्रामों में पाइप लाइन बिछा कर घर-घर पानी पहुँचाया जायेगा। इनमें 202 करोड़ 99 लाख रूपये की सानौधा-मढ़िया जल-प्रदाय योजना शामिल है, जिसके पूरा होने पर 77 ग्राम लाभान्वित होंगे। सानौधा-बंडा जल-प्रदाय से 56 गाँव के घरों को लाभ मिलेगा। योजना की लागत 166 करोड़ 67 लाख रूपये आयेगी। देवरी-केसली जल-प्रदाय योजना से क्षेत्र के 387 गाँवों को लाभ मिलेगा, जिसकी लागत 496 करोड़ 25 लाख रूपये है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुशवाहा समाज मेहनती और परिश्रमी हैं, जो खून-पसीने की कमाई से अपना जीविकोपार्जन करता है। समाज का इतिहास गौरवशाली है। इस समाज के अनेक साम्राज्य रहे, जिन्होंने सेवा-भावना से कार्य किया और सभी समाजों का कल्याण किया। स्वतंत्रता सग्राम में योगदान देने के साथ ही अंग्रेजों के छक्के भी छुड़ायें। देश सेवा में सर्वस्व न्यौछावर करने में कोई कसर समाज ने नहीं छोड़ी। वास्तव में कुशवाहा समाज देशभक्त समाज है, जिसने अन्य समाजों का कल्याण भी किया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने रहली में उद्यानिकी महाविद्यालय खोलने की पहल की है, जिसकी प्रकिया चल रही है। उन्होंने कुशवाहा समाज का आह्वान किया कि वे अपने प्रतिभाशाली बच्चों की बेहतर पढ़ाई की दिशा में प्रयास करें। मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रतिभाशाली गरीब बच्चों का प्रवेश होने पर उनकी फीस राज्य सरकार भर रही है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिन्दी में कराने की शुरूआत की गई है। अब मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों से अच्छे सीएम राइज स्कूल बन रहे है। सरकार ने अब सरकारी स्कूल से निकले बच्चों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए 5 प्रतिशत सीटे आरक्षित करने का निर्णय लिया है। महिलाओं के उत्थान के दिशा में भी सरकार ने अनेक कार्य किए है। लाड़ली लक्ष्मी, मुख्यमंत्री कन्या विवाह और लाड़ली बहना योजना को लागू कर महिलाओं को आर्थिक रूप के संपन्न बनाने की सार्थक पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कुशवाहा समाज से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ दिलवाये।

शुरूआत में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तीन समूह नल जल योजना के भूमि-पूजन के बाद 11 महिलाओं को प्रतिकात्मक रूप कलश भेंट कर रवाना किया। उन्होंने कुशवाहा समाज के अराध्य देव लव कुश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कन्या-पूजन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कुशवाहा समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ऐसे समाजों को पहचान दी है, जिन्हें आगे आने का कभी मौका नहीं मिलता था। श्री कुशवाहा ने महान समाज सुधारक ज्योति बा फुले की जयंती पर ऐच्छिक अवकाश घोषित करने पर मुख्यमंत्री को समाज की ओर से धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि माता सावित्री बाई फुले की जीवनी को पाठयक्रम में शामिल करने और उनकी जयंती पर शासकीय कार्यक्रम करने की दिशा में भी कार्यवाही की गई है।

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष श्री जे.पी. वर्मा एवं कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। संयोजक श्री अर्जुन पटेल ने स्वागत भाषण दिया। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, सांसद श्री राजबहादुर सिंह, विधायकद्वय श्री शैलेन्द्र जैन एवं श्री प्रदीप लारिया, ललितपुर के विधायक श्री रामरतन कुशवाहा, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, खनिज विकास निगम के उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह मोकलपुर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरासिंह राजपूत, बीज निगम के उपाध्यक्ष श्री राजकुमार कुशवाहा, पशुधन कुक्कुट विकास निगम के उपाध्यक्ष श्री नंदराम कुशवाहा, कुशवाहा समाज की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती राधा कुशवाहा, प्रदेश मंत्री श्री प्रभुदयाल कुशवाहा सहित जन-प्रतिनिधि, कुशवाहा समाज के पदाधिकारी और संभाग के सभी जिलो से आये कुशवाहा समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को लाड़ली बहनों ने बाँधी राखी

मुख्यमंत्री श्री चौहान के सागर प्रवास के दौरान लाड़ली बहनों ने स्वागत-सम्मान कर राखी बाँधी और उनके साथ सेल्फी ली। जिले की सभी बहनें मुख्यमंत्री श्री चौहान का लाड़ली बहना योजना लागू करने के लिये आज मुख्यमंत्री से मिली और उन्हें महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहल पर धन्यवाद दिया।

प्रदेश में बनेगा वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड -मुख्यमंत्री श्री चौहान

तेजाजी महाराज के निर्वाण दिवस पर ऐच्छिक अवकाश की घोषणा

नगरों में शैक्षणिक भवन के लिए सहयोग देंगे

जाट महाकुंभ भोपाल में आए मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जाट समाज साहसी, परिश्रमी और वीर समाज है। यह समाज देश के लिए अन्न भंडार भरने का कार्य भी करता है। भारतीय सेना में जाट रेजीमेंट को शामिल किया गया है। समाज में महाराज रणजीत सिंह से लेकर महाराजा यशोधर्मन, सूरजमल, भक्त कर्माबाई, महाराजा पोरस, श्री पूरनमल, राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसी हस्तियाँ रही हैं। वीर तेजाजी महाराज जाट समाज के आराध्य हैं। इस नाते जाट समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए मध्यप्रदेश में वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। तेजाजी महाराज के निर्वाण दिवस तेजा दशमी पर ऐच्छिक अवकाश भी रहेगा। साथ ही शैक्षणिक भवन के लिए भोपाल, इन्दौर और ग्वालियर में आवश्यक पहल की जाएगी। स्कूली पाठ्यक्रम में जाट महापुरूषों के इतिहास को भी शामिल किया जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सके।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में जाट महाकुंभ को संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा, मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, विधायक श्रीमती नीना वर्मा, हरियाणा से आए श्री अभय चौटाला, श्री यशपाल मलिक, महिला मोर्चा मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, प्रहलाद पटेल, सानिका जाट, श्री हनुमान बेनीवाल, श्री युद्धवीर सिंह, शैलाराम सारण, श्री राधेश्याम पटेल, श्री रामदीन पटेल, श्री बीलाश पटेल, श्री नरेन्द्र जाखड़, श्री शिव पटेल, श्री राधेश्याम पटेल, श्री निर्मल चौधरी सहित जाट समाज के जन-प्रतिनिधि और संस्थाओं के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी जाट समाज के प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाकुंभ में आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि वीर तेजस्वी तेजाजी महाराज ने गो-हत्या रोकने और गो-वंश-संरक्षण के लिए अथक प्रयास किए। ऐसा माना जाता है कि जाटों की उत्पत्ति भगवान शिव की जटाओं से हुई है। मुगलों के प्रतिरोध के लिए जाट एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में सामने आए थे। भरतपुर के शासक राजाराम जाट ने औरंगजेब के खिलाफ संगठित विद्रोह का कार्य किया था। उसी तरह महाराजा सूरजमल और उनके पुत्र जवाहर सिंह के शौर्य की कथाएँ सुनने को मिलती हैं। राजा नाहर सिंह, हीरा सिंह, भूपिंदर सिंह, रघुवीर सिंह जींद, राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसे जाट शासकों ने अमिट छाप छोड़ी है। स्वामी केशवानंद ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया और समाज-सुधार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मध्यप्रदेश के नर्मदांचल में हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, देवास, धार और इन्दौर में बड़ी संख्या में जाट समाज निवास करता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समाज द्वारा दिए गए अन्य सुझावों पर भी परीक्षण के बाद आवश्यक कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें बाल्यकाल में जाट समाज से काफी स्नेह मिला है। सार्वजनिक जीवन में कार्य की शुरुआत के दौर में वरिष्ठ नेता श्री विक्रम वर्मा का मार्गदर्शन मिला। इसके बाद एक साथी के रूप में श्री कमल पटेल जुड़े। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में तेजाजी महाराज की तस्वीर के समक्ष नमन किया। जाट महाकुंभ में पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया।

स्वागत भाषण में श्री लक्ष्मीनारायण (पप्पू भाई) गोरा ने जाट समाज के महापुररूषों के योगदान की जानकारी दी। जाट समाज के साहस और शौर्य की प्रतीक हस्तियों पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

अतिथि करेंगे ऐतिहासिक स्थलों पर भ्रमण और स्वच्छ हेरिटेज वाक

इंदौर । 50 से ज्यादा शहरों के महापौर, निगमायुक्त, स्मार्ट सिटी सीईओ 18 मई को इंदौर में जुटेंगे। इंदौर नगर निगम यू-20 (अर्बन-20) सम्मेलन की मेजबानी करेगा। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, विभिन्न संगठनों और कार्पोरेट संस्थानों के प्रतिनिधि, तकनीकी संस्थानों और विचारक समूहों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में अनुभव की जा रही चुनौतियों के लिए परिवर्तनात्मक समाधानों को तलाशना है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि यू-20 सम्मेलन के दौरान निकले सार को अहमदाबाद में जून के अंत में होने वाले जी-20 में रखेंगे। इसमें 20 देशों के अलग-अलग शहरों के महापौर शामिल होंगे।

आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की पहल तथा इंदौर नगर निगम व आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय नगर सुशासन की पुनर्रचना विषय पर यू-20 कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत यह आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से इंदौर को अपने प्रशासन की नीतियों को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा। साथ ही दूसरे शहरों की प्रशासन की नीतियों से सीखकर समुचित विकास की रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। अतिथि ऐतिहासिक स्थलों पर भ्रमण और स्वच्छ हेरिटेज वाक भी करेंगे।

कार्यशाला के मुख्य बिंदु

1.स्थानीय संभावनाओं को तलाशना और इनका समर्थन करना
2.शहरी प्रशासन और नियोजन ढांचे की पुनर्रचना करना
3.डिजिटल शहरी भविष्य को उत्प्रेरित करना

अतिथि देवोभवः की परंपरा से होगा स्वागत

इंदौर में होने वाले यू-20 सम्मेलन के लिए अब तक सूरत, अहमदाबाद सहित 25-30 शहरों के महापौर की सहमति आ गई है। कई शहरों के स्मार्ट सिटी सीईओ और निगमायुक्त भी इस सम्मेलन में शामिल होने आ रहे हैं। इंदौर में अतिथि देवोभव: की परंपरा रही है। अतिथियों का स्वागत भी इसी परंपरानुसार करेंगे।

जेईई में 50 हजार रैंक वालों को मिलेगा अपनी पसंद का इंजीनियरिंग कालेज

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों में जल्द प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा होने वाली है। जेईई मेन के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों ने कालेजों की तलाश शुरू कर दी है। कई विद्यार्थी और माता-पिता कालेजों की विजिट भी कर रहे हैं और वहां की व्यवस्थाओं को देख रहे हैं।

पैरेंट्स एनआइआरएफ रैंकिंग, प्लेसमेंट रिकार्ड, फीस, प्रोफेसर्स की प्रोफाइल और अन्य जानकारी निकाल रहे हैं। पिछले वर्षों में किस संस्थान में जेईई की कितनी रैंक पर प्रवेश विद्यार्थियों को मिले थे, इसकी भी जानकारी ले रहे हैं। इसी आधार पर तय होगा कि इस बार कितनी रैंक के विद्यार्थियों को किस कालेज और ब्रांच में प्रवेश मिल सकता है। पिछले वर्षों के कटआफ को देखें तो जेईई मेन के टाप 50 हजार रैंक में जगह बनाने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश के टाप इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिलता रहा है।

इस वर्ष भी रहेगा कंप्यूटर साइंस का बोलबाला

कालेज लेवल काउंसलिंग चरण तक आल इंडिया दो लाख रैंक के अंदर रहने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश मिले हैं। इंदौर के सबसे ज्यादा मांग में रहने वाले श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) को 2022 में करीब एक लाख विद्यार्थियों ने आनलाइन च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया में अपनी पसंद बताया था। यहां कंप्यूटर साइंस ब्रांच में जनरल कैटेगरी में ऐसे विद्यार्थियों ने भी प्रवेश लिया है, जिन्हें जेईई मेन में आल इंडिया 788 रैंक प्राप्त हुई थी। इन विद्यार्थियों को एनआइटी और वीआइटी जैसे संस्थानों में भी प्रवेश मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने शहर के एसजीएसआइटीएस को वरीयता पर रखा। प्रवेश प्रक्रिया बंद होने तक 17805 आल इंडिया रैंक वालों को भी कंप्यूटर साइंस में प्रवेश मिला है।

शहर में 111 स्थानों पर बनना शुरू होंगे नए व्यापार लाइसेंस, नवीनीकरण भी किया जाएगा

इंदौर(अशोक सैनी)। शहर में 15 मई से 111 स्थानों पर नए व्यापार लाइसेंस और पुराने व्यापार लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर 20 मई तक सतत जारी रहेंगे। राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि शिविर मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 2.0 के तहत ई नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेड लाइसेंस एवं लाइसेंस नवीनीकरण का काम होगा। व्यापारियों की सुविधा को देखते हुए शिविर प्रातः 10:00 बजे से शुरू हो जाएंगे।

अपर आयुक्त राजस्व अभिषेक गहलोत ने बताया कि व्यापारियों की सुविधा के लिए आयोजित लाइसेंस शिविर में सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर के निर्देशन में सहायक कर्मचारी उपस्थित रहकर, शिविर में आने वाले व्यापारियों के लाइसेंस नवीनीकरण एवं नवीन लाइसेंस बनाने में सहयोग करेंगे। इस क्रम में अपर आयुक्त राजस्व के निर्देशानुसार झोन एवं वार्डवार लगाए गए शिविर में आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं।

महंगा पानी पी रहा इंदौर, लागत 25 रुपये प्रति लीटर

इंदौर। अभी हम नर्मदा का जो पानी पी रहे हैं, वह संभवत- विश्व में सबसे महंगा है। इस पानी को नागरिकों तक पहुंचाने में करीब 25 रुपये प्रति लीटर की लागत आ रही है। इसके लिए नगर निगम को हर महीने करीब 20 करोड़ रुपये बिजली के भुगतान करना पड़ रहे हैं। इसके बाद भी शहर में करीब 40 प्रतिशत पानी की पूर्ति हमें भूमिगत जल से करना पड़ रही है। इसलिए हमें वर्षा की हर बूंद को सहेजना होगा। हर घर और हर व्यक्ति की जवाबदारी और हिस्सेदारी तय करना होगी।

नगर निगम की आयुक्त हर्षिका सिंह ने संक्षेप में शहर के पानी का यह हिसाब-किताब सामने रखा है जो चिंता पैदा करने वाला है। वे वर्षा जल संचयन और जल बचत तकनीक पर रविवार को एक परिचर्चा में प्रस्तुतीकरण दे रही थीं। परिचर्चा का आयोजन जैन इंजीनियर्स सोसाइटी के इंदौर चैप्टर द्वारा शहर के संतोष सभागृह में रखा गया था। निगम आयुक्त ने निगम की ओर से जल अभियान-2025 का खाका सामने रखा।

उन्होंने कहा कि हमें अभी 15 जून से पहले वर्षा जल को सहेजने और भूजल संरक्षण को अभियान के रूप में चलाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करना होगा। सभी आवासीय सोसायटी और रहवासी संघ का सहयोग लेना होगा। इसमें जैन इंजीनियर्स सोसायटी जैसी तकनीकी सोसाइटी का सहयोग हमारे अभियान में बहुत मददगार साबित होगा।

परिचर्चा के द्वितीय सत्र में कलेक्टर इलैया राजा टी ने कहा कि इंदौर छह बार देशभर में स्वच्छता का सरताज बना। इंदौर की जनता जल संचय का महत्व समझती है और जल के उपयोग को लेकर सतर्क है। इंदौर जनभागीदारी की अद्भुत मिसाल पेश करता है। जल की गुणवत्ता के साथ-साथ सांस लेने योग्य हवा की गुणवत्ता में सुधार के बारे में भी इंदौर में काम हो रहा है। तमिलनाडु में इतिहास की पुस्तकों में जिक्र आता है कि पहले माह में तीन बार वर्षा होती थी। पानी धीमा आता था, जमीन में उतरता था, लेकिन अब वैसा नहीं रहा... तो जिम्मेदार कौन है? पैसे की दौड़ में क्वालिटी लाइफ पीछे छूट गई है। हमें आने वाली पीढ़ी के लिए जिम्मेदार बनना होगा।

एसजीएसआइटीएस के प्रोफेसर संदीप नारूलकर ने जल संरक्षण बढ़ाने और जल के अपव्यय को कम करने के तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के रखरखाव और भूजल की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए वर्षा जल को प्रदूषण से बचाने के लिए रखी जाने वाली सावधानी के बारे में भी बताया। जल सरंक्षण अभियान से जुड़े समरेंद्र पांडे ने अपने अनुभव साझा किए।

द केरल स्टोरी को लेकर डीएवीवी में कार्यक्रम पर विवाद, कैफे में करना पड़ा आयोजन

इंदौर । फिल्म द केरल स्टोरी के लेखक सत्यपाल सिंह और विद्यार्थियों के बीच रविवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कंप्यूटर अध्ययनशाला सभागृह में संवाद कार्यक्रम होना था, जो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने रखा। मगर कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

कांग्रेसियों ने विश्वविद्यालय में कार्यक्रम रखने पर आपत्ति उठाई और कहा कि फिल्म के माध्मय से विश्वविद्यालय में राजनीति करने में लगे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभागृह का ताला नहीं खोला। बाद में एबीवीपी ने कार्यक्रम को इंडियन काफी हाउस में आयोजित किया। पूरे मामले में विश्वविद्यालय के रवैए से कुछ कार्यपरिषद सदस्य भी नाराज थे। हालांकि, लेखक सत्यपाल विश्वविद्यालय के ईएमआरसी के छात्र रह चुके है।

सभागृह के नहीं खोले ताले

लेखक सत्यपाल सिंह का कार्यक्रम कंप्यूटर अध्ययनशाला के सभागृह में रखा गया। मगर युवक कांग्रेस के नेता अभिजीत पांडे ने कुलपति डा. रेणु जैन के सामने आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि हमारे संगठन द्वारा भी कुछ राष्ट्रीय मुद्दों पर आधारित डाक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी। आपत्ति आने के बाद विश्वविद्यालय हरकत में आया और परिसर में शांति बनी रहे, इसके लिए कार्यक्रम के लिए सभागृह का ताला नहीं खोला गया। इसे लेकर एबीवीपी ने कुछ वाट्सएप ग्रुप पर फोटो वायरल कर दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)